हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: २ | अंक: 20 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार, मुंबई, 28 अक्टूबर से 03 नवम्बर 2022

उद्धव राज में जिन रश्मि शुक्ला पर दर्ज हुआ था केस

उन्हें DGP बनाएंगे एकनाथ शिंदे और भाजपा

मुंबई: उद्धव ठाकरे के शासनकाल में महाराष्ट्र की आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला के खिलाफ फोन टैपिंग केस में एफआईआर दर्ज की गई थी। अब उन्हीं को एकनाथ शिंदे और भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार राज्य का डीजीपी या मुंबई का पुलिस कमिश्नर बनाने पर विचार कर रही है। भाजपा के एक मंत्री का दावा है कि अगले सप्ताह की शुरूआत में इसका ऐलान किया जा सकता है। रश्मि शुक्ला 1988 बैच की आईएएस अधिकारी हैं, जो फिलहाल सीआरपीएफ की एडीजी के तौर पर हैदराबाद में हैं। डीजी हेमंत नगराले के बाद वह महाराष्ट्र की सबसे सीनियर आईपीएस अधिकारी हैं। हेमंत नगराले 31 अक्टूबर को रिटायर हो रहे हैं। इसके अलावा आईपीएस अधिकारी रजनीश सेठ से भी रश्मि शुक्ला सीनियर हैं, जो फिलहाल महाराष्ट्र

के डीजीपी हैं। रश्मि शुक्ला का जून 2024 में रिटायरमेंट होना है। भाजपा से ताल्लुक रखने वाले महाराष्ट्र के मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से केंद्र सरकार को विजिलेंस क्लियरेंस रिपोर्ट भेजी जाएगी। इसके बाद केंद्र से उन्हें डीजी के तौर पर भेजने की परमिशन मांगी जाएगी। इस तरह उन्हें महाराष्ट्र का डीजीपी या फिर मुंबई का पुलिस कमिश्नर बनाए जाने का रास्ता साफ हो जाएगा। हाल ही में राज्य सरकार ने पुलिस की उस मांग को खारिज कर दिया गया था, जिसमें शुक्ला के खिलाफ केस चलाने की मंजूरी मांगी गई थी। रश्मि शुक्ला महाराष्ट्र की खुफिया प्रमुख रही हैं और उनके ऊपर एनसीपी के नेता एकनाथ खडसे एवं शिवसेना सांसद संजय राउत के फोन टैप करने के आरोप लगते रहे हैं। कोलाबा पुलिस ने इसी साल मार्च में रश्मि शुक्ला के खिलाफ केस भी दर्ज किया था।

बायलर फटने से केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग, तीन की मौत; 12 घायल

मुंबईः महाराष्ट्र में पालघर जिले के बोइसर एमआइडीसी इलाके में बायलर फटने से एक केमिकल कंपनी में आग लग गई। आग की चपेट में आने से तीन श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य घायल हो गए। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और अग्निशमन कर्मी मौके पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक, पालघर पुलिस ने बताया कि बुधवार को आग की चपेट में आने से तीन श्रमिकों की मौत हो गई है और 12 घायलों को शिंदे अस्पताल बोइसर में भर्ती कराया गया है।प्रेट्र के मुताबिक, घटना कपड़ा उद्योग में इस्तेमाल होने वाले गामा एसिड का उत्पादन करने वाली इकाई में शाम चार बजकर 20 मिनट पर हुई। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट इतना भीषण था कि फैक्ट्री की छत उड़ गई।केमिकल फैक्ट्री में रिएक्टर पोत में विस्फोट के कारण तीन श्रमिकों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। पीड़ितों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया, जबकि घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। पालघर पुलिस प्रवक्ता सचिन नवादकर ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर बोईसर पुलिस थाने और स्थानीय दमकल विभाग के कर्मी मौके पर पहुंचे।बोईसर पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक प्रदीप कस्बे ने बताया कि विस्फोट के समय कारखाने में कुल 18 कर्मचारी काम कर रहे थे। प्रारंभिक जांच में संयंत्र प्रभारी ने पुष्टि की कि विस्फोट रिएक्टर पोत में दबाव के कारण हुआ। संयंत्र गामा एसिड का निर्माण करता है, जिसका उपयोग कपड़ा उद्योग में किया जाता है।

फेसबुक फ्रेंड से कीमती तोहफा लेना महिला को पड़ा भारी, गंवाए अपने 18 लाख रुपये

मुंबई। फेसबुक पर दोस्ती कर महिला से 18.15 लाख रुपये की ठगी होने की सूचना ठाणे पुलिस ने बुधवार को दी। इसी साल की शुरूआत में एक पुरुष और एक महिला के जोड़े ने एक 48 वर्षीय महिला संग फेसबुक पर दोस्ती की। दोनों ने अपना परिचय लंदन में रह रहे न्यूरोसर्जन के रूप में दिया था। महिला द्वारा दर्ज शिकायत के अनुसार, अगस्त में जोड़े ने महिला को मैसेज कर कहा कि उन्होंने उनके लिए एक कीमती तोहफा भेजा है, लेकिन कस्टम विभाग से इसे निकालने के लिए उन्हें कुछ पैसे चुकाने होंगे। दोनों पर यकीन करते हुए महिला ने अगस्त और सितंबर के महीने दो अलग-अलग बैंक अकाउंट्स में कुल 18,51,221 रुपये जमा कराए।

बाद में कोई भी गिफ्ट न मिलने पर महिला को एहसास हुआ कि वह ठगी का शिकार हुई हैं। इसके बाद महिला ने ठाणे के श्रीनगर पुलिस स्टेशन में मंगलवार को आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 406 (आपराधिक विश्वासघात) के तहत मामला दर्ज कराया।आनलाइन सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ठगी का यह कोई नया मामला नहीं है, बल्कि ऐसी घटनाएं अकसर सामने आती रहती हैं।

अभी बीते 15 अक्टूबर को ठगी का एक मामला सुर्खियों में आया, जिसमें फेसबुक पर फर्जी नाम से प्रोफाइल बनाकर एक शख्स बड़े घर की महिलाओं को ठगता था। आगरा की तीन और दिल्ली की एक महिला उसके धोखे का शिकार हुई हैं। इस मामले में महिलाओं ने प्रेस कान्फ्रेंस बुलाकर अपने साथ हुई ठगी की जानकारी दी थी। ठीक इसी तरह से 17 अक्टूबर को एक मामला सामने आया, जिसमें दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे नाइजीरियाइ शख्स को गिरफ्तार किया, जो फेसबुक पर दोस्ती कर विदेश से उपहार भेजने के नाम पर लोगों से ठगी करता था। यह शख्स अब तक पूरे देशभर में दो सौ से अधिक लोगों के साथ ठगी कर चुका है।

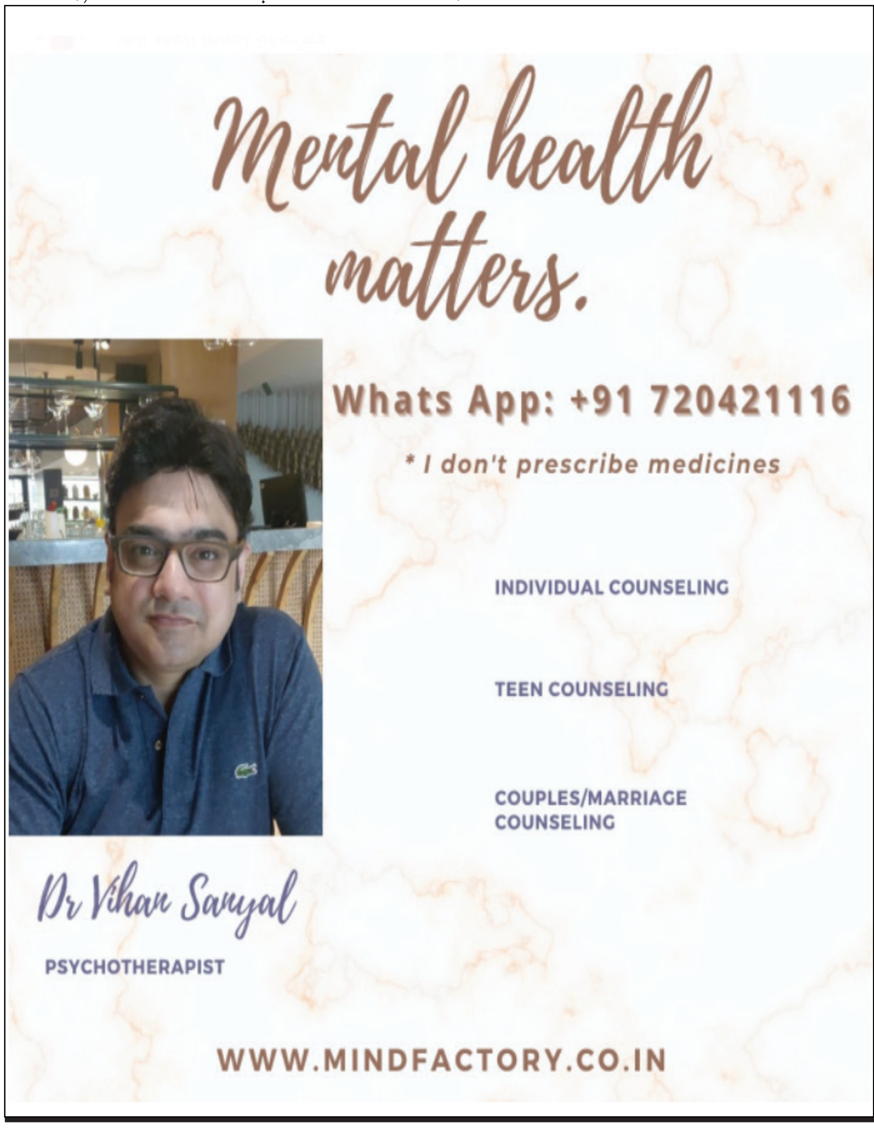

बीएमसी के आदेश को बांबे हाई कोर्ट ने किया रद, लगाई फटकार

मुंबईः मुंबई महानगरपालिका द्वारा दिए गए दो आदेशों को वीरवार को रद कर दिया है। एक आदेश में बीएमसी ने एक आयोजक को पहले दी गई अनुमति रद की थी। दूसरे आदेश में उसी स्थान पर दूसरे समूह को अनुमति प्रदान की थी। अदालत ने बीएमसी को दुर्भावनापूर्ण तरीके से निर्णय करने के लिए फटकार लगाई है। मामला घाटकोपर (पूर्व) स्थित आचार्य अत्रे मैदान में छठ पूजा के लिए अनुमति हासिल करने का है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (ठउढ) की पूर्व सभासद राखी जाधव ने अपने संगठन श्री दुर्गा परमेश्वरी सेवा मंडल के लिए इस वर्ष जुलाई में ही उक्त मैदान में तीन त्योहारों गणपति उत्सव, नवरात्रोत्सव व छठ पूजा करने की अनुमति

बीएमसी से मांगी थी। बीएमसी ने उसे यह अनुमति दे भी दी थी। सेवा मंडल इसी मैदान में गणपति उत्सव व नवरात्रोत्सव मना भी चुका है, लेकिन तीसरे उत्सव छठ पूजा के लिए बीएमसी ने अचानक उसे मिली अनुमति रद कर दी। दूसरी ओर, इसी मैदान में छठ पूजा मनाने लिए भाजपा (इखढ) के पूर्व सभासद भालचंद्र सिरसाट के संगठन अटल सामाजिक संस्कृति सेवा प्रतिष्ठान को छठ पूजा मनाने के लिए ही अनुमति प्रदान कर दी थी।राखी जाधव ने बीएमसी के इस निर्णय को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। जिस पर सुनवाई करते हुए वीरवार को उच्च न्यायालय की अवकाशकालीन पीठ के न्यायमूर्ति एनजे जमादार व न्यायमूर्ति गौरी गोडसे की पीठ ने बीएमसी की उक्त दोनों अनुमतियां रद कर दीं।

अदालत ने एक समूह को अनुमति देने और दूसरे को मिली हुई अनुमति रद करने को दुर्भावनापूर्ण करार दिया है। अटल सेवा प्रतिष्ठान के वकील अमोघ सिंह व बीएमसी ने कोर्ट में कहा था कि बीएमसी को दी गई अनुमति रद करने का अधिकार है। चूंकि परमेश्वरी सेवा मंडल ने मैदान की बुकिंग के लिए आवश्यक अनापत्ति प्रमाणपत्र (ठडउ) जमा नहीं कराए थे, जबकि अटल सेवा प्रतिष्ठान ने सारे एनओसी के साथ मैदान की फीस भी जमा कर दी थी। इसलिए बीएमसी ने पहले दी गई बुकिंग रद्द करके उनके संगठन को बुकिंग दी है।

अदालत ने सिंह के इस तर्क पर बीएमसी को फटकार लगाते हुए सवाल किया कि जब परमेश्वरी सेवा मंडल ने एनओसी नहीं दिए थे, उन्हें पहले के दो कार्यक्रम करने की अनुमति क्यों दी गई। पहले ही उनकी बुकिंग क्यों नहीं रद की गई। अब छठ पूजा से ठीक पहले यह क्यों रद की गई है। इसके साथ ही अदालत ने बीएमसी के दोनों आदेशों को रद करते हुए मामला स्थानीय पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिए हैं कि वह याचिकाकर्ता मंडल को एनओसी देने का निर्णय करे।

भाजपा नेता रावसाहब दानवे ने शिंदे गुट में दलबदल की अटकलों को किया खारिज

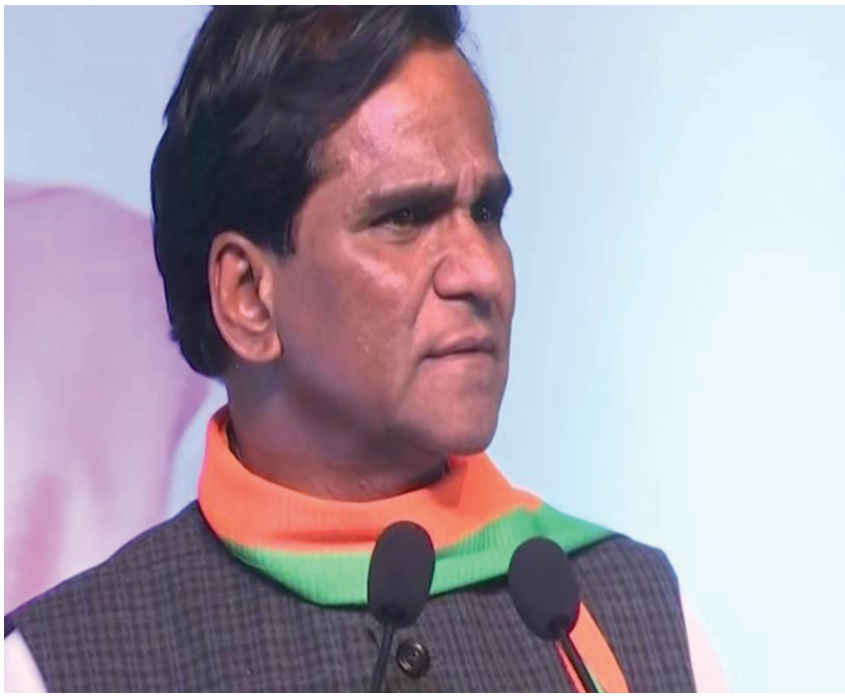

जालनाः केंद्रीय मंत्री रावसाहब दानवे ने वीरवार को इन अटकलों को खारिज कर दिया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट के कुछ विधायक भारतीय जनता पार्टी में विलय के इरादे से एक गुट बना सकते हैं।प्रेट्र के मुताबिक, भाजपा के वरिष्ठ नेता दानवे ने कहा कि इस तरह के कदम की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि शिंदे गुट और उनकी पार्टी गठबंधन में हैं और राज्य सरकार को सुचारू और कुशलता से चला रहे हैं।इस मुद्दे पर आगे पूछे जाने पर दानवे ने दावा किया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के विधायक दलबदल के कगार पर थे, हालांकि उन्होंने विस्तार से नहीं बताया।दानवे ने दावा किया कि विपक्ष शिंदे गुट के कुछ विधायकों के दलबदल करने की अफवाह फैला रहा है।

दरअसल, इन विपक्षी दलों के विधायक दलबदल करना चाहते हैं।गत दिनों केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे ने कहा था कि भाजपा ने महाराष्ट्र में निकाय और ग्रामीण चुनावों के लिए गठबंधन पर फैसला करने के लिए स्थानीय नेतृत्व को शक्ति दी है। महाराष्ट्र के मंत्री अब्दुल सत्तार के औरंगाबाद में अपने सिल्लोड निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के साथ गठबंधन के पक्ष में नहीं होने के एक सवाल के जवाब में दानवे ने कहा कि अगर गठबंधन काम नहीं करता है, तो उनकी पार्टी अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट के अब्दुल सत्तार ने हाल ही में कहा था कि ग्राम पंचायत, जिला परिषद और नगर परिषद चुनावों में भाजपा के साथ दोस्ताना लड़ाई होनी चाहिए।

विवाहिता को घर का काम करने के लिए कहना क्रूरता नहींः बांबे हाई कोर्ट

मुंबईः महाराष्ट्र में बांबे हाई कोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने कहा कि अगर किसी विवाहित महिला को परिवार के लिए घर का काम करने के लिए कहा जाता है, तो इसे नौकरानी के जैसा कार्य नहीं समझा जाएगा और यह क्रूरता नहीं होगी। एक महिला द्वारा अपने अलग हुए पति व उसके माता-पिता के खिलाफ घरेलू हिंसा व क्रूरता के लिए दर्ज मामले को खारिज करते हुए हाई कोर्ट ने यह बात कही।पाटिल की खंडपीठ ने 21 अक्टूबर को उस व्यक्ति और उसके माता-पिता के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को खारिज कर दिया। महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि शादी के बाद एक महीने तक उसके साथ अच्छा व्यवहार किया गया, लेकिन उसके बाद वे उसके साथ नौकरानी जैसा व्यवहार करने लगे। उसने यह भी दावा किया कि उसके पति और उसके माता-पिता ने शादी के एक महीने बाद चार पहिया वाहन खरीदने के लिए चार लाख रुपये की मांग करना शुरू कर दिया। महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि इस मांग को लेकर उसके पति ने उसे मानसिक और शारीरिक प्रताड़ित किया।हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि महिला ने केवल यह कहा था कि उसे परेशान किया गया था, लेकिन उसने अपनी शिकायत में ऐसा कोई कार्य निर्दिष्ट नहीं किया था। अगर एक विवाहित महिला को परिवार के लिए घर का काम करने के लिए कहा जाता है, तो यह नहीं कहा जा सकता है कि वह एक नौकरानी की तरह है। अगर उसे अपने घर के काम करने की कोई इच्छा नहीं थी, तो उसे शादी से पहले ही बता देना चाहिए था, ताकि दूल्हा खुद शादी के बारे में फिर से सोच सके। अगर यह शादी के बाद इस तरह की समस्या आ रही है, तो इसे पहले ही सुलझा लिया जाना चाहिए था।

संपादकीय

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला

सरकारी नौकरियों का इंतजार भारी

पिछले सप्ताह उत्तर प्रदेश प्रारंभिक पात्रता परीक्षा (यूपीपीईटी) के लिए यात्रा करने वाले युवाओं की तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए थे। ऐसा अनुमान है कि लगभग 38 लाख उम्मीदवारों ने इस परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था, जिनमें से कुछ सचमुच अपने परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए जान की बाजी लगाकर ट्रेन से सफर कर रहे थे। रेलवे स्टेशन खचाखच भरे थे और रेलों की बोगियां भी।

आमतौर पर सरकारी नौकरियों के लिए होने वाली परीक्षाएं उम्मीदवारों को उनके घर, गांव या कस्बे, शहर में परीक्षा देने की मंजूरी नहीं देती हैं, जिसके चलते उन्हें अपने उन परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए यात्राएं करनी पड़ती हैं, जो अक्सर दूर होते हैं। 1990 के दशक में बिहार सरकार द्वारा संचालित इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश पाने के लिए परीक्षा देने के दौरान मुझे इसी तरह के हालात का सामना करना पड़ा था। जब मैं रांची में रहता था, जो उस समय दक्षिण बिहार (और अब झारखंड) में था, मेरा परीक्षा केंद्र उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर में था। मुजफ्फरपुर जाने वाली बसें और ट्रेनें खचाखच भर गई थीं। शहर में होटल और लॉज थे, लेकिन कई छात्रों को रेलवे स्टेशन पर परीक्षा से पहले रात बितानी पड़ी थी। छात्रों की इस अचानक पहुंची भारी भीड़ को संभालने की क्षमता न तो मुजफ्फरपुर और न ही भारतीय रेलवे के पास थी। बहरहाल, आखिर सरकारी नौकरियों के प्रति इतना आकर्षण क्यों है? वास्तव में निचले और मध्यम स्तर की सरकारी नौकरियां अधिकांश निजी नौकरियों की तुलना में बहुत बेहतर कमाई का जरिया होती हैं। नवंबर 2015 में अपनी रिपोर्ट प्रकाशित करने वाले सातवें वेतन आयोग ने अहमदाबाद में भारतीय प्रबंधन संस्थान को इस मुद्दे का अध्ययन करने के लिए कहा था। संस्थान की रिपोर्ट में एक अध्ययन के हवाले से कहा गया था कि एक सामान्य हेल्पर, जो सरकार में सबसे कम रैंक वाला कर्मचारी होता है, का कुल वेतन-भत्ता 22,579 रुपये है, जो निजी क्षेत्र के उपक्रमों के एक सामान्य हेल्पर के वेतन-लाभ से दोगुना है। निजी क्षेत्र में इसी रैंक के हेल्पर 8,000 से 9,500 रुपये तक पाते हैं। यह परिदृश्य साफ तौर पर नहीं बदल रहा है। इसके अलावा, एक सरकारी नौकरी पक्की नौकरी की सुरक्षा के साथ आती है, यह कुछ ऐसा है, जो महामारी के बाद की दुनिया में और भी महत्वपूर्ण हो गया है। इससे पता चलता है कि क्यों हम नियमित रूप से निम्न स्तर की सरकारी नौकरियों के लिए भी इंजीनियरों, पीएचडी और एमबीए धारकों को आवेदन करते देखते हैं। दिलचस्प बात है कि सरकारी नौकरियों के प्रति आकर्षण अन्य विकासशील देशों में भी खूब दिखाई देता है। जैसा कि अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो गुड इकोनॉमिक्स फॉर हार्ड टाइम्स में इन देशों के संदर्भ में लिखते हैं : सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारी निजी क्षेत्र के औसत वेतन से दोगुने से अधिक कमाते हैं और इसमें उदार स्वास्थ्य सुविधा तथा पेंशन लाभों की गिनती नहीं हो रही है। यह लोगों की धारणा को उस ओर ले जाता है, जहां सरकारी क्षेत्र की नौकरियां निजी क्षेत्र की नौकरियों की तुलना में बहुत अधिक मूल्यवान लगने लगती हैं।

ब्रिटिश सत्ता के शीर्ष पर एक भारतवंशी

यूरोपीय संघ से ब्रिटेन के बाहर निकलने के बाद ऋषि सुनक कंजर्वेटिव पार्टी के चौथे नेता हैं, जिनको देश की कमान मिली है। ह्यब्रेग्जिटह्ल ने ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को खासी चोट पहुंचाई है। रही-सही कसर पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस की आर्थिक नीतियों ने पूरी कर दी, जिसके कारण उनको अपना पद तक छोड़ना पड़ा। ऐसे में, स्वाभाविक ही सुनक की पहली प्राथमिकता ब्रिटेन की डूबती अर्थव्यवस्था को उबारना होगी। अभी आलम यह है कि ब्रिटेन का आयात बिल बढ़ रहा है और निर्यात से उसे पूर्व की तरफ फायदा नहीं मिल रहा। ब्रिटिश पाउंड भी तेजी से गिर गया है। मगर सुनक की चुनौती महज ब्रिटेन की आर्थिकी को संभालना ही नहीं है।

दरअसल, वह जिस कंजर्वेटिव पार्टी के नेता बने हैं, उसकी फूट भी इन दिनों सतह पर है। इसी मनमुटाव का नतीजा है कि पिछले तीन वर्ष में टेरेसा मे, बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस और अब ऋषि सुनक टोरी पार्टी के मुखिया चुने गए हैं। चूंकि पार्टी के अंदर राजनीतिक रूप से एका नहीं है, इसलिए देश की सियासत में भी उथल-पुथल कायम है। यही वजह है कि सुनक ने जब प्रधानमंत्री पद के लिए अपना भाषण दिया, तो उन्होंने ह्यूनिटीह्ल (एकता) और स्टैबिलिटी (स्थायित्व) पर जोर दिया। राजनीतिक विश्लेषक तो अभी से इस बात के लिए गुणा-भाग करने लगे हैं कि आखिरकार वह किस तरह से पार्टी के असंतोष को खत्म करते हुए सभी टोरियों में एकराय बना सकेंगे। इन दोनों चुनौतियों से पार पाने के बाद ही सुनक अन्य मोर्चों पर आगे बढ़ने की सोच सकेंगे। सुनक के सत्तासीन होने का खास असर भारत और ब्रिटेन के आपसी रिश्ते पर पड़ सकता है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में बोरिस जॉनसन जब बीते मई माह में भारत आए थे, तब उन्होंने दिवाली तक दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौता होने की उम्मीद जताई थी। इस दिशा में ठीक-ठाक प्रगति भी शुरू हुई, लेकिन पिछले दिनों यह कवायद ठंडे बस्ते में जाती दिखी है। भारत इस समझौते का पक्षधर है और यह संधि ब्रिटेन के हित में भी है। लिहाजा, उम्मीद यही है कि ऋषि सुनक इस समझौते की राह की अड़चनों को जल्द दूर करेंगे।

दोनों देशों की वीजा नीति ऐसी ही एक बाधा है, जिस पर सुनक को खास ध्यान देना होगा। इसके दो पहलू हैं। एक, उन भारतीयों से जुड़ा है, जो ब्रिटेन आते-जाते रहते हैं और दूसरा, उन छात्रों से, जो ब्रिटेन पढ़ने के लिए जाते हैं। ब्रिटेन जाने वाले भारतीयों को आसानी से वीजा नहीं मिल पाता और कमोबेश ऐसी ही शिकायत भारतीय छात्रों की है, जो काफी तादाद में वहां जाते हैं। इन छात्रों से ब्रिटेन को अच्छी खासी रकम तो मिलती है, लेकिन भारतीय छात्रों की शिकायत है कि उनको पढ़ाई खत्म करने के बाद जो कार्य संबंधी वीजा दिया जाता है, उसकी मीयाद महज दो साल होती है। वे इसमें बढ़ोतरी चाहते हैं। लिहाजा, हमारी अपेक्षा भारतीयों के सुगम आवागमन के साथ-साथ भारत के छात्रों के लिए ब्रिटेन के वीजा नियम में उदारता की है। चूंकि ब्रिटेन को विशेषकर ह्यब्रेग्जिटह्ल के बाद मुक्त व्यापार समझौते की सख्त जरूरत है, इसलिए माना जा रहा है कि वह अपनी वीजा नीति को लेकर गंभीर होगा। यह उम्मीद इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि बतौर भारतवंशी ऋषि सुनक ब्रिटेन में रहने वाले भारतीयों की इस समस्या से बखूबी वाकिफ होंगे।` ब्रिटेन और भारत के रिश्ते को दोनों देशों की आर्थिकी भी आगे बढ़ाएगी। भारत ने ब्रिटेन में काफी ज्यादा निवेश कर रखा है।

ब्रिटेन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का दूसरा सबसे बड़ा स्त्रोत भारत ही है। ब्रिटेन की मौजूदा खस्ता अर्थव्यवस्था को देखकर सुनक यही चाहेंगे कि भारत वहां अपना निवेश बढ़ाए। इस समय भारत से काफी ज्यादा पूंजी दूसरे देशों में जा रही है। मगर इन पैसों में ब्रिटेन का हिस्सा बढ़े, इसके लिए जरूरी है कि सुनक को अपनी अर्थव्यवस्था इस कदर बनानी होगी कि वहां भारत के हितों का अधिकाधिक पोषण हो। यह मुक्त व्यापार समझौते के साथ-साथ कई अन्य चीजों पर निर्भर करेगा, जैसे ब्याज दर, रुपया व पाउंड की विनिमय दर आदि। बेशक ये पुराने मसले कहे जा सकते हैं, लेकिन अब ये ज्यादा महत्वपूर्ण इसलिए जान पड़ते हैं, क्योंकि एक भारतवंशी को ब्रिटेन का प्रधानमंत्री पद मिला है। राजनीतिक और सुरक्षा की बात करें, तो दोनों देशों के आपसी रिश्ते काफी अच्छे हैं। ब्रिटेन हिंद-प्रशांत को लेकर नई नीति बना रहा है। चूंकि हिंद-प्रशांत के क्षेत्र में भारत का खासा महत्व है और हम क्वाड (भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान का गुट) के भी सदस्य हैं, इसलिए उम्मीद है कि सुनक के कार्यकाल में भारत और ब्रिटेन के द्विपक्षीय रिश्ते में काफी ज्यादा गरमाहट आएगी। सैन्य व सामरिक संबंधों के लिहाज से भी सुनक के प्रधानमंत्री बनने का भारत को फायदा मिल सकता है। आतंकवाद को रोकने की दिशा में दोनों देश संजीदा जरूर हैं, लेकिन ब्रिटेन में कई ऐसे गुट हैं, जो कट्टरपंथ और आतंकवाद को खाद-पानी देते रहते हैं। खालिस्तानी गुटों का भी वहां अच्छा-खासा असर है और कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान की प्रभाव वाली जमात की भी वहां ठीक-ठाक संख्या है। इन पर रोक लगाने के लिए भारत और ब्रिटेन के बीच मजबूत सहयोग की दरकार है। आशा की जानी चाहिए कि सुनक इस दिशा में तत्पर होंगे।जब ऋषि सुनक संसद सदस्य बने थे, तब उन्होंने गीता पर हाथ रखकर शपथ ली थी। ऐसा करने वाले वह ब्रिटेन के पहले सांसद थे। दिवाली मनाने की उनकी तस्वीरें भी अभी मीडिया में खूब तैर रही हैं।

केंद्र की बैठक में नहीं होंगी शामिल

सूरजकुंड में होगा राज्यों के गृह मंत्रियों का चिंतन शिविर

नई दिल्ली। देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर हरियाणा के फरीदाबाद जिले में दो दिवसीय चिंतन शिविर होने जा रहा है। सूरजकुंड में होने वाले इस चिंतन शिविर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सभी राज्यों के गृहमंत्रियों के साथ बैठक करेंगे। 27 और 28 जुलाई को होने वाले चिंतन शिविर में अगले 25 सालों में देश की आंतरिक सुरक्षा के रोडमैप को लेकर चर्चा होगी।पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी इस बैठक में शामिल नहीं होंगी। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, राज्य सरकार चिंतन शिविर में गृह सचिव बीपी गोपालिका या राज्य के डीजीपी (होम गार्ड) मनोज मालवीय को भी नहीं भेजेगी। हालांकि, इस बैठक में अतिरिक्त महानिदेशक (होम गार्ड) नीरज कुमार सिंह शामिल होंगे। बता दें कि सीएम ममता बनर्जी के पास पश्चिम बंगाल के गृह मंत्रालय का कार्यभार भी है। इसके अलावा दिल्ली में पश्चिम बंगाल के स्थानीय आयुक्त राम दास मीणा भी इस बैठक में शामिल होंगे। ममता बनर्जी के बैठक में शामिल ना होने के पीछे उनकी व्यस्तता का हवाला दिया गया है।

प्रयागराज में बिजली के पोल से टकराई कार, 5 लोग की मौत; विंध्याचल धाम जाते वक्त हंडिया में हादसा

प्रयागराज। प्रयागराज शहर से करीब 40 किलोमीटर दूर हंडिया-उतरांव के बीच टवेरा कार के दुर्घटनाग्रस्त होने से कई लोगों की मौत की खबर मिली है। बताया जा रहा है कि मृतकों में चार महिलाएं और एक बच्ची है। यह सभी लोग एक ही परिवार के हैं जो प्रयागराज के सोरांव इलाके के शिवगढ़ सराय लाल से विंध्यांचल जा रहे थे। सुबह करीब पौने सात बजे हंडिया में सुजौला गांव के निकट बिजली के खंभे से टकराने के बाद कार पलट गई जिससे पांच लोगों की मौत हो गई जबकि एक महिला जख्मी हैसुबह घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर स्थानीय पुलिस के साथ ही करीब साढ़े नौ बजे आईजी रेंज प्रयागराज राकेश सिंह भी पहुंचे। उन्होंने पुलिस से दुर्घटना का ब्यौरा लिया।खबर पाकर पहुंची पुलिस ने कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला तो पता चला कि कई लोगों की जान चली गई है। सभी शवों को एसआरएन अस्पताल के चीरघर में रखकर परिवार को सूचना दी गई।घायलों में उमेश पुत्र स्वर्गीय श्यामलाल उम्र 33 वर्ष, प्रिया पत्नी उमेश उम्र 30 वर्ष, गोटू पुत्री रमेश उम्र 12 वर्ष, ऋषभ पुत्र राम सजीवन अग्रहरि उम्र 26 वर्ष, चालक इरशाद हैं।

भू-माफिया पर सख्त हुए सीएम योगी आदित्यनाथ, अधिकारियों से कहा- ऐसी कार्रवाई करें जो नजीर बने

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को हिदायत दी है कि जमीन के विवादों का संतुष्टिपरक त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। किसी भी गरीब या सरकारी जमीन पर कब्जा नहीं दिखना चाहिए। उन्होंने भू माफियापर कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया।

यदि कोई गरीब सरकारी जमीन पर रह रहा है तो शासन की कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कर उसके व्यवस्थित पुनर्वास की व्यवस्था की जाए। भूमाफिया पर ऐसी कार्रवाई करें जो दूसरों के लिए नजीर बने। तीन दिन के प्रवास पर गोरखपुर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार व बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन कर 500 लोगों की समस्याएं सुनीं। खास बात यह रही कि पड़ोसी राज्य बिहार के एक दर्जन से अधिक लोग मुख्यमंत्री से अपनी समस्या कहने के लिए पहुंचे और समाधान का अनुरोध किया।गोरखनाथ मंदिर परिसर के दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में जनता दर्शन के दौरान बिहार से आई महिला ने उन्हें अपनी समस्या बताई। मुख्यमंत्री दूसरे राज्य का मामला जानकर हैरान हुए लेकिन महिला को परेशान देख उसकी बातों को गौर से सुना। समझाया कि उत्तर प्रदेश का मामला होता तो समस्या का तुरंत समाधान हो जाता। बावजूद इसके दिलासा देते हुए बिहार में समस्या निस्तारण को आवेदन करने का सुझाव दिया। बहिर के करीब एक दर्जन फरयादी शकियत लेकर मुख्यमंत्री के पास पहुंचे थे। पूर्व के जनता दर्शन में बिहार से आई एक महिला फरियादी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से रोजगार देने की गुहार की थी। जनता दर्शन में जमीन से जुड़े विवाद के काफी मामले आए। कुछ की शिकायत थी कि दबंग उनकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। इन शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने संबंधित पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों को समस्या के त्वरित निस्तारण का निर्देश देते रहे।

दिल्ली में यमुना घाटों पर छठ मनाने वाले रहें सतर्क, गंदगी फैलाई तो कटेगा 50 हजार तक का चालान

नई दिल्लीः कोरोना महामारी के दो साल बाद दिल्ली वासी यमुना किनारे पहले की तरह महापर्व छठ का त्योहार मना सकेंगे। यमुना के घाटों पर छठ पर्व मनाने को लेकर बनी असमंजस की स्थिति को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बुधवार को साफ कर दिया। उन्होंने यमुना के निर्दिष्ट छठ घाटों पर पूजा की अनुमति दे दी है।

इस निर्णय के बाद छठ पर्व के दौरान यमुना में गंदगी को रोकना प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (ठङ्गळ) के मुताबिक, यमुना में गंदगी को लेकर नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर पांच से 50 हजार रुपये तक का चालान काटा जा सकता है।

कविता

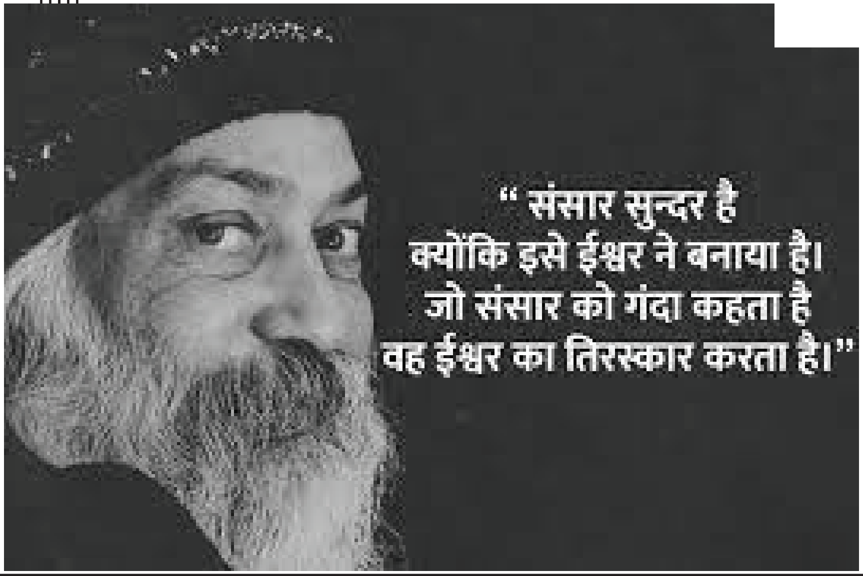

कहै कबीर दीवाना-ओशो

सहारा मिल गया। अब हाथ किसी ने सम्हाल लिया। अब तुम अंधेरे में नहीं भटक रहे हो। अब तुम यूं ही अंधेरे में नहीं टटोल रहे हो। कोई है जिसकी आंख खुली है। और जो परिपूर्ण रोशनी में जी रहा है।

जो अब कै प्रीतम मिले, करूं निमिख न न्यारा।

अब कबीर गुरु पाइया, मिला प्राण पियारा।

गुरु को पा लिया, सार में परमात्मा को पा लिया। इसलिए तो गुरु की इतनी चर्चा इस देश में चलती रही है। जैसे गुरु के बिना कुछ भी न हो सकेगा। जैसे गुरु के बिना कोई उपाय नहीं है। गुरु इतना महत्वपूर्ण क्यों हो गया है इस देश में? जिन्होंने भी पाया, सदा गुरु के द्वार से पाया। गुरु की आंखों से झांक कर पाया। गुरु के हाथा से छू कर पाया। गुरु के हृदय में धड़क कर पाया। जो अब कै प्रीतम मिलें, करूं निमिख न न्याराअब कबीर गुरु पाइया, किला प्राण पियारा। **जारी...**

बलगम वाली खांसी में बहुत फायदेमंद है अदरक, गले की खराश और दर्द करती है दूर

अदरक हमारे दैनिक जीवन और खानपान का एक अहम हिस्सा है। हम सभी अपने दिन की शुरूआत एक कप अदरक वाली चाय के साथ करना पसंद करते हैं। वहीं यह हमारी सब्जियों में मसाले और तड़के के रूप में भी खूब प्रयोग की जाती है। लेकिन सेवन के समय हम शायद ही कभी इसके स्वास्थ्य लाभों के बारे में सोचते हैं। हम में से ज्यादातर लोग यह नहीं जानते हैं, कि अदरक सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है, यह कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को आपसे दूर रखने में भी मदद करती है। यहां तक कि सर्दी-जुखाम, बुखार, खांसी, वायरल संक्रमण और मौसमी एलर्जी आदि से निपटने के लिए यह एक रामबाण उपाय है, जो कि बदलते मौसम के साथ होने वाली कुछ आम समस्याएं हैं। इसके अलावा लोगों बदलते मौसम के साथ बलगम वाली खांसी से भी काफी परेशान रहते हैं और इससे छुटकारा पाने के लिए तरह-तरह के उपाय ढूंढने में लगे रहे हैं लेकिन क्या आप

जानते हैं बलमग वाली खांसी से छुटकारा दिलाने में भी अदरक बहुत कारगर साबित हो सकती है? जी हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा! सिर्फ इतना ही नहीं, यह गले की खराश, सूजन और दर्द से भी राहत प्रदान करने में मदद करती है। बस आपको सही तरीके से इसका सेवन करना है। खांसी में अदरक के फायदे ("३ी िं' ीटगी) और आप इसका सेवन कैसे कर सकते हैं, इस विषय पर अधिक जानकारी के लिए हमने क्लीनिकल आयुर्वेदिक चिकित्स डॉ. भुवनेश्वरी (इअटर, अ८४१५ीं) से बात की। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।अध्ययन में पाया गया है कि अदरक में जिंजरोल और शोगोल नामक एक्टिव कंपाउंड होते हैं, जो एंटीइनफ्लेमेटरी एंजेंट के रूप में काम करते हैं .

हॉस्टल में तब्दील हुआ घर बनेगा शरारती रोमांस का अड्डा

नई दिल्लीः बिग बॉस 16 के मेकर्स ने गुरुवार के एपिसोड के प्रोमो जारी किए हैं। इसमें घरवालों को एक नए टास्क में भाग लेते हुए देखा जा सकता है। इसमें घरवाले बिग बॉस हॉस्टल टास्क में भाग लेते नजर आ रहे हैं। इसे अब्दु रोजिक होस्ट करेंगे जबकि इसमें निमृत अहलूवालिया, शालीन भनोट, टीना दत्ता, प्रियंका चौधरी, अंकित गुप्ता, अर्चना गौतम जैसे कंटेस्टेंट भाग लेंगे। सभी इसे लेकर काफी खुश नजर आ रहे है। निमृत अहलूवालिया को

टास्क को एन्जॉय करते हुए भी देखा जा सकता है निमृत अहलूवालिया को टास्क को एन्जॉय करते हुए भी देखा जा सकता है। वहीं साजिद खान सिक्योरिटी का काम कर रहे हैं। यह एक दिलचस्प टास्क होगा, ऐसा लगता है। एक और वीडियो जारी किया गया है। इसमें अब्दु रोजिक को निमृत अहलूवालिया और प्रियंका चौधरी के साथ मस्ती करते देखा जा सकता है।

अर्चना गौतम और प्रियंका चौधरी में बहस हो जाती है

तीसरे वीडियो में अर्चना गौतम और प्रियंका चौधरी में बहस हो जाती है। ऐसा लगता है कि इसके चलते इन दोनों की दोस्ती में दरार आ जाएगी। वहीं निमृत कौर अहलूवालिया का व्यवहार बदलने के चलते घर के डायमेंशन बदलने लगे हैं। गौतम सिंह विग, सौंदर्य शर्मा और शालीन भनोट तीनों उनकी गतिविधियों पर नजर रखते नजर आते हैं। बिग बॉस 16 टीवी पर आना शुरू हो गया है। यह शो धीरे-धीरे अपनी स्पीड पकड़ रहा है। शो में कई प्रतियोगी भाग ले रहे हैं।

सलमान खान वीकेंड का वार होस्ट करते नजर आएंगे

वहीं इस बार का वीकेंड का वार सलमान खान होस्ट करते नजर आएंगे। वह डेंगू से पीड़ित हो गए थे। इसके चलते वह दिवाली पर शो नहीं होस्ट कर पाए थे।

आस्ट्रेलिया का यह खिलाड़ी हो गया कोविड-19 पाजिटिव लेकिन इंग्लैंड के विरुद्ध है खेलने की संभावना

प्रेट्र। विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड इंग्लैंड के विरुद्ध टी-20 विश्व कप के आस्ट्रेलिया के महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले कोविड-19 पाजिटिव पाए गए हैं। वह टीम के दूसरे खिलाड़ी हैं जो कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं। 15 सदस्यीय टीम में शामिल एकमात्र विकेटकीपर वेड में हल्के लक्षण नजर आ रहे हैं, लेकिन मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में उनके इंग्लैंड के विरुद्ध खेलने की संभावना है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) के नियम कोविड-19 पाजिटिव पाए जाने पर खिलाड़ी को मैच में हिस्सा लेने से नहीं रोकते। हालांकि पाजिटिव खिलाड़ी मैच में खेल पाएगा या नहीं इसका फैसला टीम पर निर्भर करता है और वो खिलाड़ी पाजिटिव होने के बाद भी डाक्टर की सलाह पर खेल सकता

है। वेड ने गुरुवार को आस्ट्रेलिया के वैकल्पिक इंडोर ट्रेनिंग सत्र में हिस्सा नहीं लिया। अगर वे इस मुकाबले में नहीं खेलते हैं तो डेविड वार्नर या ग्लेन मैक्सवेल के इंग्लैंड के विरुद्ध विकेटकीपर की जिम्मेदारी निभाने की आशा है। मैक्सवेल ने अभ्यास के दौरान विकेटकीपिंग से जुड़ी ड्रिल की।कप्तान आरोन फिंच पहले ही कह चुके हैं कि जरूरत पड़ी तो डेविड वार्नर विकेटकीपर की जिम्मेदारी निभा सकते हैं। वेड आस्ट्रेलिया के दूसरे खिलाड़ी हैं जो इस हफ्ते कोविड-19 पाजिटिव पाए गए हैं। इससे पहले स्पिनर एडम जंपा मंगलवार को कोविड-19 पाजिटिव पाए गए थे और आस्ट्रेलिया के पिछले मुकाबले में नहीं खेले। आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच ग्रुप एक का यह मुकाबला दोनों टीम के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें हारने वाली टीम टूर्नामेंट के नाकआउट चरण की दौड़ से लगभग बाहर हो जाएगी। आपको बता दें कि आस्ट्रेलिया की टीम ने अब तक दो मैच खेले हैं जिसमें एक में उसे जीत मिली है जबकि एक में हार। 2 अंक के साथ ये टीम ग्रुप ए में अभी पांचवें नंबर पर है जबकि इंग्लैंड को भी दो मैचों में से एक में जीत तो एक में हार का सामना करना पड़ा है। इंग्लैंड के भी 2 अंक हैं और वो तीसरे नंबर पर है।

अर्धशतक लगाकर भी खुश नहीं हैं रोहित, धीमी शुरूआत को लेकर भी दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, ऑनलाइन डेस्क। टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के जीत का सिलसिला जारी है। सिडनी में खेले गए सुपर-12 के अपने दूसरे मैच में टीम इंडिया ने नीदरलैंड को आसानी से 56 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज कर ली। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 2 विकेट खोकर 179 रन बनाए थे जिसके जवाब में नीदरलैंड की टीम केवल 123 रन ही बना पाई।मैच के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने विराट कोहली के साथ अपनी साझेदारी को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ह्लहां हमने शुरूआत में धीमी बल्लेबाजी की लेकिन इसको लेकर मेरी विराट से बात हुई थी। हम इस पिच पर बड़े शॉट्स खेलने का इंतजार कर रहे थे। मैं अपने अर्धशतक से ज्यादा खुश नहीं हूं लेकिन रन बनाना मेरे लिए महत्वपूर्ण है। इस पर निर्भर नहीं करता कि वो कैसे आ रहे हैं क्योंकि आखिर में रन ही आपके विश्वास को बढ़ाता है। उन्होंने नीदरलैंड के खिलाफ मिली जीत को क्लीनिकल बताया। नीदरलैंड पर बोलते हुए रोहित ने कहा ह्लजिस तरह से उन्होंने सुपर 12 के लिए क्वालीफाई किया है, उसका श्रेय उन्हें जाता है। हालांकि मेरा ये हमेशा से मानना है कि हमें खुद पर बात करनी चाहिए न कि विरोधी की परवाह करनी चाहिए।। ईमानदार से कहूं तो यह एक परफैक्ट जीत थी।ह्व केएल राहुल का विकेट जल्दी गंवाने के बाद रोहित ने विराट के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 73 रन जोड़े।

मैच की बात करें तो टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और केवल 11 रन के स्कोर पर टीम इंडिया ने अपना पहला विकेट गंवा दिया। उसके बाद कोहली ने पहले रोहित के साथ 73 और फिर सूर्यकुमार यादव के साथ मिलकर 95 रन जोड़े और टीम को 179 तक पहुंचा दिया। 180 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड की टीम निर्धारित ओवर में 9 विकेट खोकर 123 रन ही बना पाई।

सूर्यकुमार यादव ने कोहली व रोहित को पीछे छोड़ जीता ह्यप्लेयर आफ द मैच का

खिताब और की युवराज सिंह की बराबरी

नई दिल्ली: नीदरलैंड के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा और खास तौर पर रोहित शर्मा का लय में लौटना भारतीय टीम के हित में रहा। हालांकि इस मैच में रोहित शर्मा, विराट कोहली ने भी काफी अच्छी पारी खेली थी, लेकिन सूर्यकुमार यादव अपनी पारी के दम पर प्लेयर आफ द मैच का खिताब जीतने में सफल रहे। रोहित शर्मा ने इस मैच में 39 गेंदों पर 53 रन बनाए जबकि विराट कोहली ने 44 गेंदों पर नाबाद 62 रन की पारी खेली जबकि सूर्यकुमार यादव ने 25 गेंदों पर एक छक्का और 7 चौकों की मदद से नाबाद 51 रन की पारी खेली थी। सूर्यकुमार यादव भारतीय क्रिकेट में सूर्य की तरह से चमक रहे हैं और टीम के लिए शानदार पारियां खेल रहे हैं। आयरलैंड के खिलाफ खेली उनकी नाबाद अर्धशतकीय पारी के लिए प्लेयर आफ द मैच का खिताब दिया गया था। सूर्यकुमार यादव ने टी20 वर्ल्ड कप में अपना पहला अर्धशतक भी इसी मैच में लगाया। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट की बात करें तो ये 7वां मौका था जब उन्हें मैन आफ द मैच का खिताब दिया गया। वहीं युवराज सिंह ने भी इतनी ही बार टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में मैन आफ द मैच का खिताब जीता था।

महाराष्ट्र सरकार पर संकट! एकनाथ शिंदे का सिरदर्द बना 2 MLAs का झगड़ा; 5 दिन अहम

मुंबई : महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार पर संकट के बादल मंडराते नजर आ रहे हैं। यहां शिंदे समर्थक दो विधायकों रवि राणा और बच्चू कडू में तनाव जारी है। कहा जा रहा है कि कडू की तरफ से चेतावनी जारी कर दी गई है कि वह जल्दी कोई ह्यफैसलाह्ल ले सकते हैं। साथ ही ह भी खबर है कि वह अदालत जाने की तैयारी कर रहे हैं।बडनेरा से निर्दलीय विधायक राणा दावा कर रहे हैं कि प्रहार जनशक्ति पार्टी (ढखढ) के कडू ने शिंदे का समर्थन करने के लिए रुपये लिए हैं। अब कडू ने चेतावनी दे दी है कि राणा के आरोपों पर सीएम शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस अगर जवाब या राणा के आरापों को साबित करते सबूत नहीं देते हैं, तो वह 8 अन्य विधायकों के साथ फैसला ले लेंगे।

उन्होंने कहा, ह्यवह यह दावा करते हुए निजी हमले कर रहे हैं कि मैंने रुपये लिए और गुवाहाटी गया। केवल मैं ही नहीं था, जो गुवाहाटी गया था, 50 और विधायक थे। इस मुद्दे पर शिंदे और फडणवीस को संज्ञान लेना चाहिए, क्योंकि अगर आपका समर्थन करने पर आपके ही समर्थक विधायक की तरफ से ऐसे सवाल उठ रहे हैं, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है।ह्ल

कडू ने दावा किया है कि इसके जरिए उनकी ही नहीं, बल्कि शिंदे और फडणवीस की छवि खराब की जा रही है। उन्होंने कहा, ह्यकेवल मेरी छवि खराब नहीं हो रही है, लोग पूछेंगे कि सीएम और डिप्टी सीएम ने मुझे कितने रुपये दिए। 50 विधायक

विकास के मुद्दे पर शिंदे के साथ जुड़े थे और यह सवाल उठाकर कि हमने जुड़ने के लिए रुपये लिए थे, वह इसपर सवाल उठा रहे हैं। इसपर स्पष्ट होना जरूरी है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो 1 नवंबर तक हम अलग फैसला लेंगे।उन्होंने कहा कि 8 और विधायक आरोपों से दुखी हैं और सभी 1 नवंबर को फैसला लेंगे।

कडू ने दावा किया कि वह इसे लेकर कोर्ट जाएंगे और शिंदे और फडणवीस को प्रतिवादी बनाएंगे।

दोनों विधायकों के बीच तनाव नया नहीं है। कहा जाता है कि इसकी जड़ें अमरावती में वर्चस्व से जुड़ी हैं। खास बात है कि राणा की पत्नी नवनीत यहां से सांसद हैं। खबरें हैं कि सीएम भी दोनों विधायकों में सुलह की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब तक इसे लेकर कोई सफलता नहीं मिली है।

URGENTLY REQUIRED FEMALE STAFF
VACANCY VACANCY
ICON OPTICAL GALLERY
Urgently Required Female Staff Accountant Cum Sales Girl For Counter Sell.
Note : Must Have Computer Operating Knowledge
Contact Us : 9819292152
Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053
murtaza12152@yahoo.com

TASNEEM COLLECTION
Online Shopping Hub
Only of Ladies Bags, Kurtis, Accessories
Kitchen & Household items
Baby products
Plastic items
And much more......all under one roof
Best business apportunity for housewives to become reseller & earn at zero investment
Farida Rampurawala : 8898065152
RH 1, C 26 row house number, Swamy Ayyappam temple road, Sector. 8, New Mumbai, Vashi-400 703

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक : मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल : newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net